Used

संकलित परीक्षा-II (2013-2014)

CLASS-IX

विषय : हिन्दी 'ब'

निर्धारित समय : 3½ घंटे **पूर्णांक : 100**

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में **पाँच खंड** हैं - **क, ख, ग, घ और ङ।**

(ii) खंड - ङ मुक्त पाठ पर आधारित है।

(ii) पाँचों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

(खण्ड-क)

(अपठित-बोध)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6x2=12)

प्रत्येक मनुष्य चाहता है कि जब तक वह जीवित रहे उसे सभी प्रकार का सुख प्राप्त होता रहे। अतः वह अधिक से अधिक सुख-समृद्धि की कामना करता रहता है। मनुष्य जीवनभर अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए जूझता रहता है ताकि वह सुखपूर्वक जी सके।

व्यक्ति से अगली इकाई परिवार की है। पति-पत्नी, माता-पिता तथा बच्चों से परिवार बनता है। परिवार एक ऐसी इकाई है जो समाज और राष्ट्र से जुड़ी रहती है। अतः परिवार की सुख-समृद्धि और उसकी मंगल-कामना के लिए प्रयत्न करना 'परिवार-नियोजन' कहलाता है।

परिवार के सभी लोगों को सुख-समृद्धि तभी प्राप्त होगी जब परिवार के सदस्यों की संख्या सीमित होगी। एक व्यक्ति की आय को बाँटने वाले जब कम होंगे तब उसे पाने वालों को अधिक धन की प्राप्ति होगी। जनसंख्या वृद्धि ने देश के सम्मुख ऐसी विकट समस्याएँ उपस्थित कर दी हैं कि उनका हल खोजना कठिन होता चला जा रहा है। जिधर देखो, उधर ही लंबी-लंबी कतारें दिखाई देती हैं। इसी कारण नौकरी की भी कमी होती चली जा रही है। परिणामस्वरूप बेरोज़गारी बढ़ती जा रही है।

यह प्रश्न विचारणीय है कि परिवार-नियोजन को ध्यान में रखते हुए परिवार को छोटा कैसे रखा जाए? इसके लिए आम जनता में चेतना जागृत करनी होगी। जनसंख्या-शिक्षा भी इस विषय में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लोगों को समझाया जाना चाहिए कि जनसंख्या-वृद्धि से उनके परिवार को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। अन्न का अभाव, परिवहन-सुविधा में कमी, चिकित्सा में कठिनाई, शिक्षा तथा नौकरी के अवसरों में कमी आदि का प्रत्यक्ष प्रभाव हम सभी पर पड़ेगा। परिणामस्वरूप परिवार की ही नहीं, पूरे समाज की सुख-सुविधा में कमी आ जाएगी।

देश की गरीबी को दूर करने के लिए भी परिवार को सीमित रखना आवश्यक है। बढ़ती जनसंख्या को रोकने के लिए परिवार को सीमित रखना ही होगा। इस कार्य की सफलता के लिए शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। अज्ञान के कारण ही परिवार में वृद्धि होती है। शिक्षा के माध्यम से हमें इन तथ्यों को जनता के सामने रखना चाहिए। परिवार का कल्याण इसी में है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने परिवार को सीमित रखे जिससे कि परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे।

(क) परिवार नियोजन किसे कहते हैं?

(ख) जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम बताइए।

(ग) आपके विचार से परिवार-कल्याण की दिशा में क्या-क्या किया जाना चाहिए?

(घ) 'परिवार नियोजन' में शिक्षा की क्या भूमिका है?

(ङ) लड़का-लड़की को एक समान क्यों समझना चाहिए?

(च) (i) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

(ii) 'दुर्भाग्य' शब्द में से उपसर्ग एवं मूल शब्द अलग कीजिए।

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

जलते-जलते दीए को यह हो आया अभिमान,
लगा सोचने, सूर्य-चंद्र से भी मैं अधिक महान।
सूरज तो करता है आकर दिन में सिर्फ प्रकाश,
किंतु रात के अंधकार का मैं ही करता नाश।
चंद्र भी मिटा नहीं पाता है अंदर का अँधियारा,
मैं ही घर के कोने-कोने को करता उजियारा।
इस घमंड में सिर ऊँचा कर लगा गगन में दृष्टि,
अहंकार की आँखों से वह देख रहा था सृष्टि।
इतने ही में लगा हवा का हलका झोंका एक,
सिर नीचा हो गया, बुझ गया दीया, रही धुएँ की रेख।
सोचो, क्या आँधी-तूफ़ानों के भी सतत् प्रयास,
बुझा सके सूर्य-चंद्र-तारों का वे कभी प्रकाश।
मिटा गया हलका-सा झोंका ही दीपक को एक,
और खिंच गई उसके मस्तक पर कलंक की रेखा एक।
अहंकार का सदा जगत में होता दुष्परिणाम,
करो बिना अभिमान तुम जो करना हो काम।

(क) दीया अपनी तुलना किस-किस से कर रहा है? (1)

(ख) दीया अपने को महान क्यों समझने लगा? (2)

(ग) जिन पंक्तियों में दीया घमंड से आकाश को देख रहा है, वे पंक्तियाँ छाँटकर लिखिए। (1)

दीए की लौ कैसे बुझ गई? (1)

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं? (1)

(च) काव्यांश में से 'पुनरुक्तिप्रकाश' तथा 'अंत्यानुप्रास अलंकार' का एक-एक उदाहरण छाँटकर लिखिए। (1)

(छ) उपर्युक्त काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)

(खण्ड-ख)
(व्यावहारिक व्याकरण)

प्र3. (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए :- (2)

(i) उद्देश्य (ii) द्वंद्व

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से उस शब्द को चुनिए, जिसमें अनुस्वार का प्रयोग होता है :- (1)

(i) पथ (ii) काच (iii) नीद

(ग) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कर शब्द को दुबारा लिखिए :- (1)

आच

(ग) निम्नलिखित शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :- (1)

जुबान

प्र4. (क) निम्नलिखित शब्दों में सन्धि कीजिए :- (2)

(i) काल + अंतर (ii) जन्म + उत्सव

(ख) निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए :- (2)

(i) गणेश (ii) परोपकार

प्र5. (क) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्दों व उपसर्गों को अलग-अलग करके लिखिए :- (2)

(i) कुचक्र (ii) उपग्रह

(ख) निम्नलिखित शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए :- (1)

पालनहार

(ग) निम्नलिखित में विरामचिह्न लगाइए :- (3)

(i) राजा ने चौंककर कहा आप गरीबों की बस्ती में गई थीं क्या

(ii) मैंने तुम्हें सहारा दिया रहने की जगह दी और तुमने मेरे साथ ऐसा किया

(iii) महात्मा ने कहा अच्छे इंसान बनो

(खण्ड-ग)
(पाठ्य-पुस्तक)

प्र6. पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1)

(क) महादेव भाई अपना परिचय किस प्रकार देते थे?

(ख) 'धर्म की आड़' पाठ के आधार पर 'धर्म' का सही अर्थ बताइए।

(ग) रामन भावुक एवं प्रकृति-प्रेमी होने के अलावा और क्या थे?

प्र7. विद्यार्थी अवस्था में महादेव भाई क्या करते थे? महादेव भाई की साहित्यिक गतिविधियों में क्या देन है? बताइए। (5)

प्र8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1)

फिर जब कीचड़ ज़्यादा सूखकर ज़मीन ठोस हो जाए, तब गाय, बैल, पाड़े, भैंस, बकरे इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है। और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपने सींगों से कीचड़ को रौंदकर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो - ऐसा भास होता है।

कीचड़ देखना हो तो गंगा के किनारे या सिंधु के किनारे और इतने से तृप्ति न हो तो सीधे खंभात पहुँचना चाहिए। वहाँ मही नदी के मुख से आगे जहाँ तक नज़र पहुँचे वहाँ तक सर्वत्र सनातन कीचड़ ही देखने को मिलेगा। इस कीचड़ में हाथी डूब जाएँगे ऐसा कहना, न शोभा दे ऐसी अल्पोक्ति करने जैसा है। पहाड़ के पहाड़ उसमें लुप्त हो जाएँगे ऐसा कहना चाहिए।

(क) सनातन कीचड़ से क्या तात्पर्य है? वह कहाँ देखने को मिलेगा?

(ख) कब कीचड़ की शोभा अलग ही नज़र आती है?

(ग) जब दो मदमस्त पाड़े आपस में लड़ते हैं तो क्या भास होता है?

प्र9. पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (2+2+1)

(क) "गीत-अगीत" के आधार पर बताइए कि प्रेमी हृदय किस बात की आशा करता है?

(ख) परम लाभ प्राप्त करके सुखिया के पिता ने क्या सोचा?

(ग) एक दिन सुखिया के पिता का कौन-सा डर सामने आया?

प्र10. 'अग्निपथ' कविता में कवि ने किस महान दृश्य का उल्लेख किया है और उसका आशय क्या है? बताइए। (5)

प्र11. 'मुस्कराहट' हमारी रक्षक तथा सहायक कैसे बनती है? कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हामिद खाँ ने लेखक के साथ कैसा व्यवहार किया? दोनों की परस्पर मुलाकात से आपने किस बात से प्रेरणा ग्रहण की? (5)

(खण्ड-घ)

(लेखन)

प्र12. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (5)

(क) पिता और पुत्री
- संबंध की गरिमा
- विशेषता
- निष्कर्ष

(ख) जब मैं डर गया
- कब
- कहाँ
- स्थिति का वर्णन

(ग) जीवन में सफाई का महत्व
- स्वास्थ्य की दृष्टि से
- रोगों से बचाव
- कैसे क्या करें

प्र13. जीवन-मूल्यों का महत्व बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए। (5)

प्र14. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर अपने मन में उभरे विचारों को 20-30 शब्दों में अपनी भाषा में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए। (5)

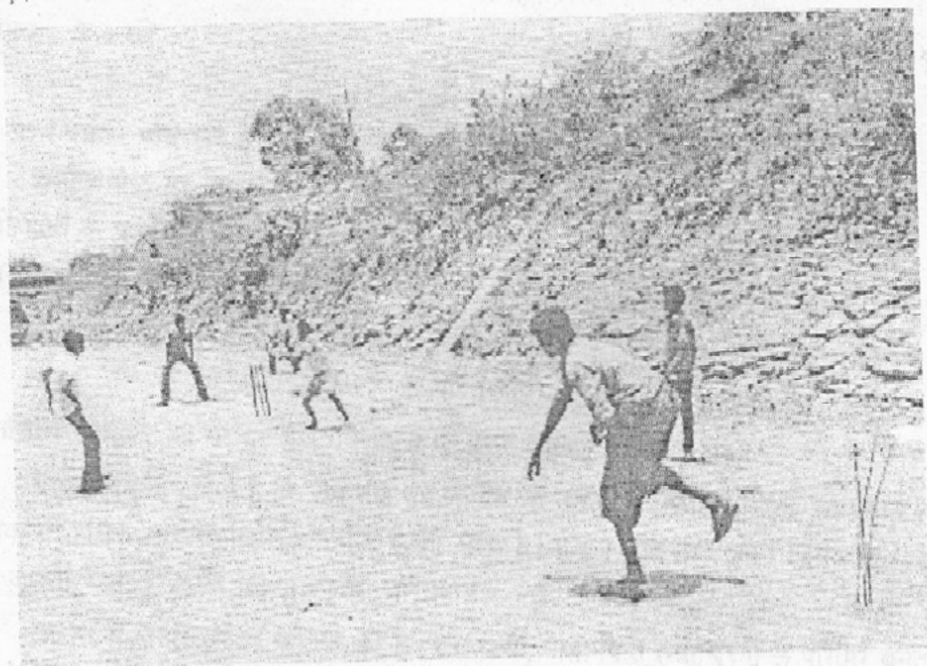

प्र15. पानी के दुरुपयोग न करने की सलाह देते हुए दादाजी व पोते की बातचीत पर आधारित संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए। (5)

प्र16. 'सुगंधा' तेल के लिए 20-25 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। (5)

(खण्ड-ड)
(मुक्त पाठ)

(कृपया सुनिश्चित करें कि इस विषय का मुक्त पाठ इस प्रश्न-पत्र के साथ उपलब्ध है।)

प्र17. विषय : बाल मजदूरी (5+5)

(क) 5-14 वर्ष के बालश्रमिकों की तालिका क्र. 1.2 के आधार पर दिल्ली तथा महाराष्ट्र के बालश्रमिकों की स्थिति पर प्रकाश डालिए तथा बताइए कि इन राज्यों में साक्षरता संबंधी प्रयासों का क्या परिणाम दिखाई देता है?

(ख) पाई चार्ट क्र. 1.3 का अध्ययन कीजिए और बताइए कि इसमें 5-14 वर्ष की उम्र के बच्चों का कितने व्यवसायों में लगा रहना बताया गया है? इनमें भाग "अन्य" का भी हैं। इन अन्य व्यवसायों के नाम अपने ज्ञान के आधार पर लिखिए तथा बताइए कि "अन्य" का प्रतिशत पाई चार्ट के दूसरे सभी व्यवसायों की प्रतिशत से तुलना करने पर क्या संकेत देता है?